NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH

aglasem.com

Class : 8th

Subject : वसंत

Chapter : 12

Chapter Name : सुदामा चरित

Q1 सुदामा की दीनदशा देखकर श्रीकृष्ण की क्या मनोदशा हुई? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer. सुदामा की दीनदशा को देखकर श्री कृष्ण को बहुत दुख हुआ| उनकी आँखों से अश्रुधारा बहने लगी। वे सुदामा के पैरों को पानी से धोने लगे परन्तु उनकी आँखों से निकली अश्रुधारा से ही सुदामा के पैर धुल गये|

Page : 71, Block Name : कविता से

Q2 "पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोए।" पंक्ति में वर्णित भाव का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Answer. प्रस्तुत पंक्ति में यह कहा गया है कि सुदामा की दीन-हीन दशा को देखकर श्री कृष्ण व्यथित हो उठे। उन्होंने सुदामा के पैरों को धोने के लिए परात में पानी मँगवाया परन्तु उनकी आँखों से अश्रुधारा बह रही थी तो उनके आँसुओं से ही सुदामा के पैर धुल गए।

Page : 71, Block Name : कविता से

Q3 'चोरी की बान में हौ जू प्रवीने।"

(क) उपर्युक्त पंक्ति कौन, किससे कह रहा है?

(ख) इस कथन की पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

(ग) इस उपालंभ (शिकायत) के पीछे कौन-सी पौराणिक कथा है?

Answer.

(क) उपर्युक्त पंक्ति श्रीकृष्ण अपने बालसखा सुदामा से कह रहे हैं।

(ख) सुदामा की पत्नी श्री कृष्ण को भेंट में देने के लिए पोटली में चावल देती हैं| किन्तु सुदामा संकोचवश श्रीकृष्ण को वो चावल नहीं देते हैं| श्रीकृष्ण इसे सुदामा की चोरी कहते हैं और कहते हैं कि चोरी में तो तुम पहले से ही निपुण हो।

(ग) इस शिकायत के पीछे सुदामा और श्री कृष्ण के बचपन की एक पौराणिक कथा हैं| बचपन में जब श्री कृष्ण और सुदामा एक साथ संदीपन ऋषि के आश्रम में अपनी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे तो एक बार जब श्रीकृष्ण और सुदामा जंगल में लकड़ियाँ एकत्र करने जा रहे थे तब गुरूमाता ने उन्हें रास्ते में खाने के लिए चने दिए थे। सुदामा श्रीकृष्ण को बिना बताए सारे चने खा लेते हैं। श्रीकृष्ण उसी चोरी का उपालंभ सुदामा को देते हैं।

Page : 72, Block Name : कविता से

Q4 द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा मार्ग में क्या - क्या सोचते जा रहे थे? वह कृष्ण के व्यवहार से क्यों खीज थे? सुदामा के मन की दुविधा को अपने शब्दों में प्रकट कीजिए |

aglasem.com

Answer. द्वारका से खाली हाथ लौटते समय सुदामा बहुत दुखी थे। वे सोच रहे थे कि जब वे कृष्ण के पास पहुँचे तो कृष्ण ने आनन्द पूर्वक उनका आतिथ्य सत्कार किया था। क्या वह सब दिखावटी था? वे तो श्री कृष्ण के पास अपनी पत्नि के कहने पर गए थे| वे कृष्ण के व्यवहार से खीझ रहे थे क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि श्रीकृष्ण उनकी दरिद्रता दूर करने के लिए धन-दौलत देकर विदा करेंगे परंतु श्रीकृष्ण ने उन्हें खाली हाथ ही वापस भेज दिया। अब वे अपनी पत्नि को क्या कहेंगे|

Page : 72, Block Name : कविता से

Q5 अपने गाँव लौटकर जब सुदामा अपनी झोंपड़ी नहीं खोज पाए तब उनके मन में क्या-क्या विचार आए? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

Answer. सुदामा जब अपने गाँव वापस आएँ तो अपनी झोंपड़ी के स्थान पर बड़े-बड़े भव्य महलों को देखकर उनका मन भ्रमित हो गया| वो सोचने लगे कि कहीं मैं घूम फिर कर वापस द्वारका ही तो नहीं चला आया। फिर भी वो लोगो से पुछने लगे और अपनी झोपड़ी ढूंढने लगे लेकिन उन्हें अपनी झोंपड़ी नहीं मिली।

Page : 72, Block Name : कविता से

Q6 निर्धनता के बाद मिलनेवाली संपन्नता का चित्रण कविता की अंतिम पंक्तियों में वर्णित है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।

Answer. निर्धनता के बाद मिलनेवाली संपन्नता अचानक से अच्छी नहीं लगती| श्री कृष्ण ने सुदामा की दरिद्रता दूर कर दी थी | पहले रहने के लिए टूटी झोपड़ी थी लेकिन अब भव्य महल था पर वह भी नहीं सुहा रहा था | पहले पैरों में पहनने के लिए चप्पल भी नहीं थी लेकिन अब हाथी थे घूमने के लिए| सोने के लिए मुलायम बिस्तर था पर उस पर नींद नहीं आ रही थी क्योंकि पहले जमीन पर सोते थे |

Page : 72, Block Name : कविता से

Q1 द्रुपद और द्रोणाचार्य भी सहपाठी थे, इनकी मित्रता और शत्रुता की कथा महाभारत से खोजकर सुदामा के कथानक से तुलना कीजिये|

Answer. द्रुपद और द्रोणाचार्य दोनों महर्षि अग्निवेश के गुरुकुल में साथ में शिक्षा ग्रहण करते थे| दोनों अत्यंत गहरे मित्र थे| द्रुपद का राज्याभिषेक हुआ और वे राजा बन गए लेकिन द्रोणाचार्य बहुत निर्धन थे| एक बार उन्हें द्रुपद की सहायता की आवश्यकता पड़ी तो वे उनसे मिलने राजमहल पहुंच गये| उन्हें अपनी मित्रता याद थी और उन्होंने सबके सामने द्रुपद को मित्र कहकर सम्बोधित किया| परन्तु द्रुपद ने उनका बहुत अपमान किया और कहा जो राजा नहीं वह राजा का मित्र भी नहीं हो सकता| यही से द्रुपद और द्रोणाचार्य की शत्रुता आरम्भ हुई| इसके विपरीत श्री कृष्ण और सुदामा की मित्रता हैं| श्री कृष्ण ने अपनी मित्रता को याद रखा और अपने मित्र की सहायता भी की|

Page : 72, Block Name : कविता से आगे

Q2 उच्च पद पर पहुँचकर या अधिक समृद्ध होकर व्यक्ति अपने निर्धन माता-पिता-भाई-बंधुओं से नजर फेरने लग जाता है, ऐसे लोगों के लिए सुदामा चरित कैसी चुनौती खड़ी करता है? लिखिए।

Answer. सुदामा चरित हमें ये बताता हैं कि मित्रता में कोई छोटा या बड़ा, अमीर या गरीब नहीं होता| उच्च पद पर पहुंचकर या अधिक समृद्ध होकर हमें स्वयं को बड़ा नहीं समझना चाहिये| क्योंकि हमारे माता-पिता-भाई-बंधु ही हमारे कठिन समय में हमारा साथ देते हैं|

Page : 72, Block Name : कविता से आगे

Q1 अनुमान कीजिए यदि आपका कोई अभिन्न मित्र आपसे बहुत वर्षों बाद मिलने आए तो आप को कैसा अनुभव होगा?

Answer. यदि हमारा कोई अभिन्न मित्र हमसे बहुत वर्षों बाद मिले तो हमें उससे मिलकर बहुत प्रसन्नता होगी|

Page : 72, Block Name : अनुमान और कल्पना

Q2 कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीति।

विपति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत||

इस दोहे में रहीम ने सच्चे मित्र की पहचान बताई है। इस दोहे से सुदामा चरित की समानता किस प्रकार दिखती है? लिखिए।

Answer. इस दोहे में रहीम ने कहा हैं कि संपत्ति होने पर तो सब मित्र होते हैं किन्तु सच्चा मित्र वही होता हैं जो कठिन समय में आपके साथ खड़ा रहे| श्री कृष्ण ने भी अपने मित्र के कठिन समय में उनकी सहायता की|

Page : 72, Block Name : अनुमान और कल्पना

भाषा की बात

Q1 "पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल सों पग धोए।"

ऊपर लिखी गई पंक्ति को ध्यान से पढ़िए| इसमें बात को बहुत अधिक बढ़ा- चढ़ाकर चित्रित किया गया हैं| जब किसी बात को इतना बढ़ा- चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता हैं तो वहाँ पर अतिश्योक्ति अलंकार होता हैं| आप भी कविता में से एक अतिश्योक्ति अलंकार का उदाहरण छाटिये|

Answer."कै वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के अब धाम सुहावत।"- यहाँ अतिश्योक्ति अलंकार है।

Page : 72, Block Name : भाषा की बात

Q1 इस कविता को एकांकी में बदलिए और उसका अभिनय कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 73, Block Name : कुछ करने को

Q2 कविता के उचित सस्वर वाचन का अभ्यास कीजिए |

Answer -छात्र स्वयं करें |

Page : 73, Block Name : कुछ करने को

Q3 'मित्रता' संबंधित दोहों का संकलन कीजिये |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 73, Block Name : कुछ करने को

aglasem.com